पीएचडी कोर्स में बदलाव

आईआईएम रांची • अगले सत्र से टीचिंग पेडागोजी में फैकल्टी बताएंगे कि मैनेजमेंट संस्थान में पढ़ाना कैसे है

पीएचडी कोर्स में बदलाव, दूसरे वर्ष में जोड़ा गया टीचिंग पेडागोजी और लिटरेचर रिव्यू, कॉम्प्रिहेंसिव क्वालिफाइंग एग्जाम से गुजरेंगे शोधार्थी

क्रांतिदीप| रांची

आईआईएम रांची की ओर से आगामी सत्र से पीएचडी के कोर्स में बदलाव किया गया है। इसके तहत दूसरे वर्ष में नए कोर्स को जोड़ा गया है। इसमें टीचिंग पेडागोजी, लिटरेचर रिव्यू शामिल है। टीचिंग पेडागोजी में फैकल्टी बताएंगे कि पढ़ाना कैसे है, ताकी आगे वे किसी भी स्कूल में पढ़ाने जाएं तो बेहतर ढंग. से पढ़ा सकें। वहीं लिटरेचर रिव्यू में बताया जाएगा कि लिटरेचर रिव्यू कैसे करते हैं। इसके साथ ही क्वांटिटेटिव राइटिंग व क्वालिटेटिव राइटिंग को अलग भाग में बांटा गया है, जो पहले स्कॉलरली राइटिंग का हिस्सा हुआ करता था। इसमें बताया जाएगा कि पेपर कैसे लिखना है। इसके साथ ही फिलॉस्फी ऑफ मैनेजमेंट, क्वांटिटेटिव रिसर्च मेथोडोलॉजी, क्वालिटेटिव रिसर्च मेथोडोलॉजी, स्कॉलरली राइटिंग कोर्स है जो पहले से दूसरे वर्ष के कोर्स में शामिल है। डॉक्टोरल प्रोग्राम के चेयरमैन प्रसनजीत चक्रवर्ती ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में रिसर्च के मापदंडों को मापा जाता है। इस बदलाव के माध्यम से हम भी यह जांचने का प्रयास करेंगे कि एक शोधार्थी अपना थिसिस लिखने से पहले कितना तैयार है।

दो वर्ष के बाद होगा कॉम्प्रिहेंसिव क्वालिफाइंग एग्जाम

पहले वर्ष में एमबीए के करिकुलम के अनुसार पढ़ाई होती है। यानी शोधार्थी एमबीए कोर्स के छात्रों के साथ ही क्लास करेंगे। वहीं दूसरे वर्ष में रिसर्च पर आधारित कोर्स होते हैं। इसके अपने चुने विषय के अलावा कुछ कोर्स सभी के लिए आवश्यक होते हैं। दो साल के बाद कॉम्प्रिहेंसिव क्वालिफाइंग एग्जाम (सीक्यूई)का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से यह पता लगाया जाता है कि अभ्यर्थी थिसिस लिखने के लिए तैयार है या नहीं। इस परीक्षा के पैटर्न में भी बदलाव किया गया है। इसमें सिस्टमेटिक लिटरेचर रिव्यू, टीचिंग लेक्चर को शामिल किया गया है। इसके अलावा एक टेस्ट फैकल्टी की ओर से लिया जाएगा। जो पहले भी लागू था।

स्टाइपेंड की राशि में की गई है बढ़ोतरी

पीएचडी प्रोग्राम में शोधकर्ताओं को दी जाने वाली स्टाइपेंड की राशि में बढ़ोतरी की गई है। पहले दो साल के लिए मासिक स्टाइपेंड 35 हजार रुपए दिए जाएंगे। जो पहले 30 हजार रुपए दिए जाते थे। वहीं दो साल के बाद 40 हजार रुपए दिए जाएंगे। जो पहले 35 हजार रुपए दिए जाते थे। इसके साथ ही पूरे कोर्स के दौरान एक लाख रुपए का कंटिंजेंसी एलाउंस दिया जाएगा। लैपटॉप खरीदने के लिए 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही देश व विदेश के सेमिनार में भाग लेने के लिए दो लाख रुपए का ग्रांट भी दिया जाएगा। यह सुविधा पहले से दी जाती है।

क्या होगा लाभ

इस बदलाव से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले शोध पद्धति को समझ सकेंगे। क्वालिटी पीएचडी को समझ सकेंगे। रिसर्च के अलावा टीचिंग के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेपर पब्लिकेशन की जरूरत अनुसार तैयार होंगे।

Dainik Bhaskar_02.03.2024_Pg. 6